## परमेश्वर का हाथ

यशयाह 59:1 मे लिखा है "परमेश्वर का हाथ इतना छोटा नही हुआ की वो उध्दार न कर सके"।

जब बच्चा छोटा होता है, तो वह अपने पिता के हाथ को पकडकर चलना सिखता है। अपने लडखडाते कदमो को वो अपने पिता के हाथ का सहारा लेकर संभालता है। वह पिता ही है जो अपने बच्चे को हाथ पकडकर यह एहसास जगाता है, कि दुनिया मे वो अकेला नही पर पिता उसके साथ है। कई बार पिता अपने बच्चे के सिर पर हाथ रख देता है। तब ऐसा महसूस होता है, इस हाथ के नीचे हम सुरक्षित है।

एक छोटीसी कहानी मैं आपको बताना चाहुँगी एक बार एक छोटा लडका खेत मे खेल रहा था। उसके पिता और माता वही पे थोडी दूरी पर खेती कर रहे थे। बच्चा अपने दोस्तों के साथ खेलता खेलता इतना मग्न हो गया की उसे इस बात का होश ही नही रहा की उसके मॉ, बाप दूर छुट गये। खेलते खेलते वह बच्चा एक कुअे के पास गया, अन्दर क्या है ये देखने की मनसा से उसने निचे देखा कुआ काफी गहरा था। और देखते ही देखते वह बच्चा कुअे मे गिर पडा, और डुबने लगा। वहा आसपास के लोग फौरन दौड आये जब उन्होने उस बच्चे को देखा। एक जन ने फौरन रस्सी लायी और उसे कुअे मे डाली और लडके को आवाज देकर कहा, इसे अच्छी तरह पकड फिर इस रस्सी को खिच कर हम तुम्हे बाहर निकाल लेंगे और तू बच जायेगा, न मरेगा। पर लडके ने पुछा कि क्या वहा मेरे पिता है क्या? लोगो ने कहा 'नही', पर चिंता न कर हम तुझे निकालेंगे लडके ने कहा नही पहले मेरे पिता को बुलाइए।

लेगोके लाख समझाने पर भी वह लडका नही मान रहा था। आखीर लोगों मे से एक ने जाकर थोडी ही दूरी पर काम करनेवाले उसके पिता को बुलवाया। अपना बेटा पानी मे गिरा यह सुनकर पिता तेजी से दौड कर कुअे के पास आया और जोर से आवाज देकर कहा हा बेटा मे हुँ। रस्सी मैने पकडी है। पिता की आवाज सुनते ही लडके ने उस रस्सी को पकड लिया और लोगोने उस बच्चे को बाहर निकाला

उस बच्चे को अपने पिता पे पुरा विश्वास था। उसे लग रहा था कि कोई भी वजहसे लोगोंके हाथोसे वह रस्सी छुट जायेगी। पर उसके पिताजी कभी भी रस्सी को न छोडेगे।

इन हाथों का बडा ही महत्व है। आध्यात्मीक जीवन मे भी हमारा जीवन किस हाथ मे है यह बहोत महत्वपूर्ण है। आए एसेही हमारे परमेश्वर के हाथो के बारे मे कुछ बातो को लिखना चाहती हुँ।

1.संकट से छुडानेवाला हाथ।व्यवस्था 5:15
2. बलवंत हाथ। यहोशु 4:24
3.शक्तिमान हाथ। भजन 89:13
4.उध्दार करनेवाला हाथ। भजन 98:1
5.पराकम करनेवाला हाथ।भजन118:115
6.सहायता करनेवाला हाथ।मत्ती14:28–31
7.जीवन देनेवाला हाथ।मत्ती9:24
8.हमे पिता के हाथ से कोई नही छीन सकता। यूहन्ना 10:29

सि.सोनाली वानखेडे

हमारे पाठयकम 1 और पाठयकम 3 का भी लाभ उठाउईए और अपने ज्ञान को और अधिक बढाइए।

# DISCIPLESHIP TRAINING CENTRE

Acts Foundation, Potter's House Church ,3rd Lane, Madhuban, Sangvi Pune- 27 Ph.9850833779 ;contact@actsministry.in

## बाइबल सिद्धान्त / Bible Doctrine

अंक:2 Course-2 July 2009 मुल्य:10 रू.

भाग– 1

### परमेश्वर का वचन परमेश्वर के बारे मे क्या सिखाता है।

अध्याय 2

### परमेश्वर के नाम

दुनिया मे कई जगह किसी को नाम देने का अर्थ होता है। बाइबल के दिनों में नामों के विशेष अर्थ होते थे। वे नाम कुछ लोगों को विशेष रूप से दिये जाते थे। परमेश्वर के नाम बताते है की वो किस प्रकार का है। वे यह दर्शाते है की वह किस प्रकार अपनी बनाई हुई सृष्टी पर काम करता है। मनुष्य को यह जानना चाहीये की वह पहले लोगों के लिये क्या मान्यता रखता था और वह आज क्या मान्यता रखते है। परमेश्वर के नामों को जानकर मनुष्य परमेश्वर को और अच्छी तरह जान सकता है। उसका नाम सब नामों में उँचा है। पुराना नियम इब्री भाषा में लिखा गया। परमेश्वर के तीन महत्वपूर्ण नाम इब्री भाषा में लिखे गए। नीचे दिये गए नाम अंग्रेजी भाषा में है।

### 1.पुराने नियम में परमेश्वर के तीन महत्वपूर्ण नाम :–

अ. **God (परमेश्वर):-**

इस नाम का अर्थ है वो सामर्थ्य जो राज्य करता है। बाईबल की शुरूआत में ही इस नाम का उपयोग हुआ है। प्रारम्भ में परमेश्वर ने कुछ नही से, आसमान और पृथ्वी बनाई उत्पती 1:1 इस सामर्थ्य ने दुनिया बनाई और अब उस पर राज्य करता है।

ब. **Lord( प्रभु):-**

यह नाम बडे अक्षरों में लिखा जाता है। यह छोटे अक्षर में लिखा गया Lord के समान नही। इसका अर्थ है जीवन या वह जो युगानयुग था और है और हमेशा रहेगा।इसका अर्थ है होना। जिसको किसी की आवश्यकता है और वह जो आनेवाला है। निर्गमन 3:14 मे लिखा है परमेश्वर ने मुसा से कहाँ मैं जो हूँ सो हूँ

क.**Lord (प्रभु):-**

यह नाम दर्शाता है की प्रभु राज्य करनेवाला है की इन्सान अपने को परमेश्वर के अधीन रखता है और उसपर विश्वास करता है। उत्पती 15:2 इसका अर्थ है पति या मालिक युहन्ना 13:13 मे लिखा है तुम मुझे शिक्षक और प्रभु कहते हो तुम सही हो क्योंकी मैं वही हूँ। 2 कुरिन्थियो 11:2–3 में इसी शब्द का अर्थ है पति प्रभु इन्सान के लिये भी प्रयोग होता है छोटे अक्षर L के साथ।

***Good Bible,***
***Dirty Christian***
***Dirty Bible,***
***Good Christian***
***Rev.Vinay Dube***

## 2.परमेश्वर के अन्य महत्वपूर्ण नाम बाइबल में है :–

1.सर्व शक्तिमान परमेश्वर
इसका अर्थ सामर्थ्यशाली परमेश्वर जो काफी है। जो सामर्थ्य देता है। सामर्थ्यशाली परमेश्वर जो देखता है और वह परमेश्वर जो सब पर सामर्थ्यी है। उत्पती 16:13, 17:1–20

2.सर्व महान परमेश्वर
इसका अर्थ है सबसे उंचा,या जो आसमान और पृथ्वी का मालिक है। यशयाह 66:1अ में लिखा है परमेश्वर ने कहा आकाश मेरा सिंहासन और पृथ्वी मेरे चरणो की चौकी है। व्यवस्थाविवरण 32:8, भजनसहिता 83:18, प्रेरित 7:48,50

3.परमेश्वर जो युगानुयुग है
इसका अर्थ है की परमेश्वर कभी नही मरता। इसका अर्थ यह भी है की परमेश्वर उन सब चीजों के ऊपर है जो सदा की हैं। भजनसहिता 20:2 मे लिखा है वह पवित्र स्थान से तेरी सहायता करे । भजनसहिता 102: 25–26

4.परमेश्वर खुदा :–
उत्पती 2:4 में लिखा है। यह नाम दो तरीके से इस्तेमाल होता है 1) मनुष्य को बनानेवाला उत्पती 2:7 2) इस्राएलियों का पुढारी उत्पती 2:4, निर्गमन 3:15, व्यवस्था 12:1 यहॉ पर यह मालिक पुढारी और बचानेवाला के नाम का उपयोग हुआ है। और इस नाम का तब भी उपयोग हुआ जब परमेश्वर ने अपने चुने हुए लोगों से बातचीत की और उनके साथ वाचा बॉधी। कभी कभी इसे परमेश्वर खुदा लिखा जाता है जिसका अर्थ है मालिक।

5.सेनाओं का प्रभु :–
यह नाम परमेश्वर के सामर्थ्य और जलाल को दर्शाता है। दुसरो का ध्यान रखना इसके लिये भी उपयोग होता है। 1 शमु 17:45,भजनसहिता46:7,11,यशयाह 47:4

## 3.पुराने नियम में परमेश्वर के अन्य नाम जो उसके और उसके कामों के बारे में दर्शाते है

1.परमेश्वर जो जरूरत पूरी करता है
इसका अर्थ है की परमेश्वर हमारी हर जरूरत को पूरा करता है। यह नाम उस समय उपयोग हुआ जब इब्राहीम अपने बेटे को बलिदान के लिये चढा रहा था। उत्पती 22:13–14

2.चंगाई देनेवाला परमेश्वर :–
वही है जो मनुष्य को उसके शरीर की सभी बिमारीयों से चंगा करता है। निर्गमन 15:26

3.परमेश्वर जो हमारी शांती है :–
यह परमेश्वर ही है जो हमे शान्ती देता है। न्यायियों 6:24

4.परमेश्वर जो हमारे लिये विजयी है
यह परमेश्वर ही है जो मनुष्य के लिये शैतान से लडता है।

5.परमेश्वर मेरा चरवाह :–
परमेश्वर ही है मनुष्य को कठीण राहो से ले चलता है।

6.प्रभु का जीवन हमारे अंन्दर :–यह उस दिन की बात है जब प्रभु यीशु मसीह इस दुनिया का राजा होगा, परुन्तु परमेश्वर का जीवन उन लोगों मे है जिन्होने अपना विश्वास उस पर रखा है। यिर्मयाह 23:6, 1 कुरिन्थियों 1:30

7.परमेश्वर यहाँ है :–यह नाम उस दिन के लिये है जब यीशु मसीह इस धरती का राजा होगा। यहेजकेल 48:35, प्रकाशितवाक्य 11:15, 17:14, 20:4, 21:3

8.पवित्र करनेवाला प्रभु :–
वह परमेश्वर है जो हमे अलग करके पवित्र बनाता है। निर्ग 31:13, लैव्यव्यवस्था 20:26

9.वह परमेश्वर जो हमे अपने से सही बनाता है :– यिर्मयाह 23:6

10.पलटा लेनेवाला परमेश्वर :–
यिर्मयाह 51:56, यहेजकेल 7:9, रोमियों 12:19

11.अल्फा और ओमेगा :–
यह नाम सबको एकत्रित करता है और सबको पुरा करता है। यह ग्रीक भाषा के शुरू और आखिर के अक्षर है। जिसका अर्थ है शुरू और आखिर यह नाम परमेश्वर के वचन मे कही बार इस्तेमाल हुआ है। प्रकाशित 1:8 एक भाग जिसमे कई ऐसे नाम इस्तेमाल हुए है वह हे भजनसहिता 23

### भजनसहिता 23 :–

1.परमेश्वर मेरा चरवाह है, मुझे कुछ घटी न होगी।
परमेश्वर मेरा चरवाह है

2.वह मुझे हरी हरी चराईयों में बिठाता है, वह मुझे सुखदाई जल के झरने के पास ले चलता है
परमेश्वर जो मेरी जरूरत पूरी करता है।

3.वह मेरे जी में जी लाता है। धर्म के मार्गो में वह अपने नाम के निमित्त मेरी अगुवाई करता है।
परमेश्वर जो मुझे उसके साथ सही बनाता है।

4.चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई मे होकर चलूं, तो भी हानि से न डरूंगा; क्योंकी तू मेरे साथ रहेता है; तेरे सोटे और तेरी लाठी से मुझे शांन्ति मिलती है।
परमेश्वर हमारी शान्ति

5.तू मेरे सतानेवालों के सामने मेरे लिये मेज बिछाता है; तू ने मेरे सिर पर तेल मला है, मेरा कटोरा उमण्ड रहा है।मुझे किसी बात की कमी न पडने देनेवाला

6.निश्चय भलाई और करूणा जीवन भर मेरे साथ साथ बनी रहेंगी; और मे प्रभु के धाम में सर्वदा बास करूंगा।परमेंश्वर यहा है।
परमेश्वर यहा है

इस पाठयकम के बारे मे अपने विचारों को लिख भेजे: